प्रभात
छिपाएंगे नहीं, छापेंगे
facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv
www.subhartimedia.com लखनऊ, रविवार, 03 मई 2020, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 08 उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड से प्रकाशित
अभी 14 दिन और झेलनी होगी तालाबंदी -8

भारतीय प्रोफेसर को पढ़ेंगे नासा के शोधकर्ता

उपलब्धि

- विश्व के प्रतिष्ठित संस्थान में एसएमएस की पुस्तक का दो चैप्टर जुड़ा

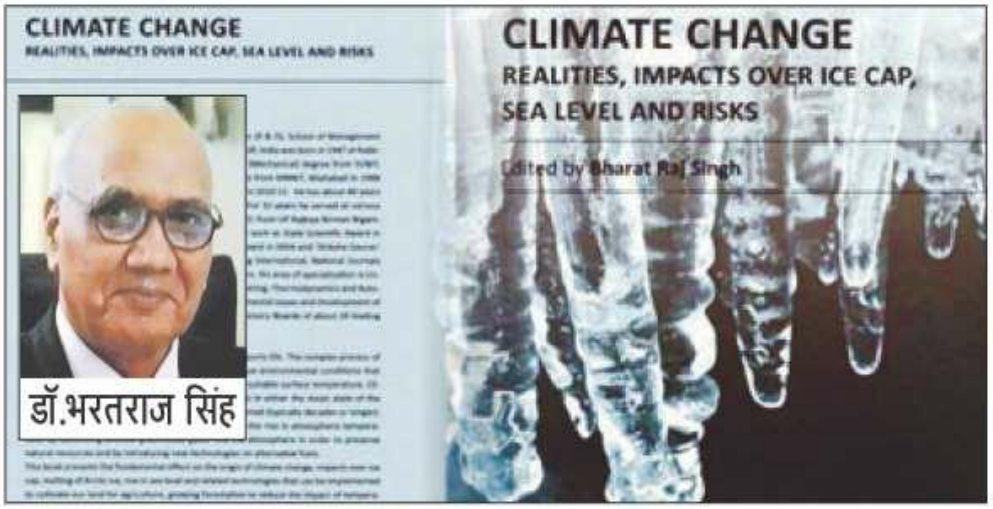

लखनऊ-प्रभात

विश्व के प्रतिष्ठित संस्थान राष्ट्रीय स्नो एवं आइस डाटा सेंटर, नासा में प्रोफ. भरत राज सिंह वरिष्ठ पर्यावरणविद व महानिदेशक स्कूल आफ मैनेजमेन्ट साइंसेस (संबद्ध एकेटीयू विश्वविद्यालय) लखनऊ की जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज-2013) की पुस्तक जो क्रोशिया से प्रकाशित हुई थी के दो अध्यायों को विश्व के अनुसंधानकर्ताओं के अग्रिम शोध में उपयोग के लिये जोडा गया है। यहां यह भी अवगत कराना है कि यह वही पुस्तक है जिसका अध्याय-3 का अंश संयुक्त राज्य अमेरिका में 9-12 के ग्रेड के छात्रो के पाठ्यक्रम-2014 में सामिल किया गया है तथा लिम्का बुक रिकार्ड-2015 में प्रकाशित कर डॉ. सिह को सम्मानित किया गया। अब उसी पुस्तक के अध्याय-9 और 10 को 'नेशनल स्नो एंव आइस डाटा सेंटर, नासा' में सम्मिलत करना प्रोफेसर भरत राज सिंह के साथ-साथ विश्वविद्यालय तथा एसएमएस कालेज के लिए एक बड़े सम्मान की बात है।

अभी चार-पांच दिन पूर्व भी डॉ.भरत राज सिंह की अन्य पुस्तक ग्लोबल वार्मिंग दृकाजेज, इम्पैक्ट एंड रेमेडीज, जो क्रोशिया में अप्रैल 2015 में प्रकाशित हुयी थी, में उल्लिखित पाइन-आइसबर्ग का पहाड़ जो 10-12 जुलाई 2017 में तीन साल पहले अंटार्कटिका (दक्षिणी ध्रुव) टूटा था, उसका एक बडा भाग 23 अप्रैल 2020 को पुनः अलग हो गया है। इस आइसबर्ग की लम्बाई 19 किलोमीटर है और आकार करीब 175 वर्ग किलोमीटर है। इसे देखने से ऐसा लगता है कि यह दक्षिणी अमेरिका के नीचे की तरफदक्षिणी जॉर्जिया और दक्षिणी सैंचविच आइलैंड के खुले समुद्र में गर्म क्षेत्र की तरफ बढ़ रहा है। इसके पिघलने के उपरांत समुद्र के पानी की सतह लगभग 3ण्2 मीटर (10.11 फीट) बढ़ जायेगी और विश्व के कई निचले हिस्से डूब जायेगे और विना पिघला हुआ हिस्सा जो 2000-2700 वर्ग किलोमीटर का होगा, उसके टक्कर व समुद्री तूफानो से भारी नुकसान होने से नकारा नही जा सकता है।